IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882
INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

विद्यार्थियों के जीवन में बढ़ता इन्टरनेट का प्रभाव

डॉ. गीता मीणा
सहआचार्य (गृहविज्ञान)
राजकीय कन्या महाविद्यालय, टोंक

शोध सारांश –

वर्तमान युग इन्टरनेट का युग कहा जा सकता है। इन्टरनेट एक वैश्विक एवं विशाल नेटवर्क है। इन्टरनेट के माध्यम से दुनिया के समस्त मोबाइल फोनों को और कम्प्यूटरों को एक दूसरे से जोड़ा हुआ है। इन्टरनेट के द्वारा हम जानकारी को एक दुसरे के पास भेज सकते है। इसके माध्यम से ही विडियों का आदान–प्रदान होता है।

इन्टरनेट ने सभी का जीवन बदल दिया है। जीवन के हर क्षेत्र में इसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव रहता है। विद्यार्थी जीवन में भी इसका महत्वपूर्ण असर देखा गया है। इन्टरनेट की सहायता से ही आज का विद्यार्थी पढ़ाई, मनोरंजन, जानकारी, संचार और प्रतियोगी परीक्षाओं को तैयार करता है। जो कि उनके उज्जवल भविष्य में सहायक होता है।

इन्टरनेट विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, सामाजिक एवं व्यक्तित्व विशेष को प्रभावित करता है। ये प्रभाव विद्यार्थियों पर सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही प्रकार के हो सकते है।

बीजक शब्द – इन्टरनेट, नटवर्क, वैश्विक, प्रतियोगी परीक्षा, प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष।

वर्तमान समय इन्टनेट का समय है। इन्टरनेट ने विद्यार्थी के हर क्षेत्र को बदल दिया है पहले जो काम घंटों या दिनों में होते थे वे अब चन्दमिन्टों में पूरे हो जाते है, पढ़ाई, मनोरंजन, जानकारी संचार और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी इन्टरनेट से आसान हो गई है।

इन्टरनेट दुनियाभर के लाखों कम्प्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का एक विशाल नेटवर्क है, जो उन्हें आपस में जोड़ता है और सूचनाओं के आदान–प्रदान की सुविधा देता है इन्टरनेट कम्प्यूटरों के नेटवर्क का एक नेटवर्क है जो डेटा और सेवाओं जैसे ईमेल, सोशल मीडिया, वेबसाइट ब्राउज़िंग के लिए बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। दुनियां के किसी भी स्थान से इन सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है। इन सेवाओं की अनुमति इन्टरनेट के माध्यम से ही सभी को सुलभ होती है।

विद्यार्थियों के जीवन में इन्टरनेट की उपयोगिता –

विद्यार्थी जीवन सीखने की चरम सीमा पर होता है इसमें इन्टरनेट भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन्टरनेट का सही दिशा में उपयोग विद्यार्थी के भविष्य को उज्जवल बना सकता है। इन्टरनेट के माध्यम से विद्यार्थी शिक्षा को और अधिक सरल और रोचक तरीके से सीख एवं समझ सकता है। समय एवं धन का सही उपयोग कर सकता है। इन्टरनेट से किताबे घर बैठे पढ़ सकता है साथ ही वर्तमान जानकारी मिन्टों में प्राप्त कर लेता है। इन्टरनेट के माध्यम से ई–बुक्स और भारी भरकम किताबें साथ लेकर जगह–जगह चलने की आवश्यकता नहीं रहती है।

इन्टरनेट की सीधी पहुँच रखने वाले विद्यार्थियों को सूचना और ज्ञान तक व्यापक पहुँच प्राप्त होती है, जो उनके करियर विकास के लिए आवश्यक है। इन्टरनेट की ऐसी त्वरित पहुँच अनुसंधान में सहायक होती है और ज्ञान प्राप्ति, विकास और यहाँ तक कि साझाकरण को भी सरल बनाती है। इन्टरनेट सुविधा उन छात्रों को आगे रखती है। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसका उपयोग करते हैं।

विद्यार्थियों के जीवन म इन्टरनेट का उपयोग प्रतिदिन नकारात्मक और सकारात्मक दोनों ही रूप में प्रभावित करता है।

विद्यार्थियों के जीवन पर इन्टरनेट का सकारात्मक प्रभाव –

1. शिक्षा और कौशल विकास – इन्टरनेट के माध्यम से आसानी से पाठ्यक्रमों और शैक्षिक संसाधनों को प्राप्त कर सकते हैं। ई–बुक्स प्राप्त कर सकते है साथ ही ई–कक्षाओं में पढ़ सकते है। इन्टरनेट जैसी तकनीक के माध्यम से विश्वव्यापी जनसंख्या तक पहुँचने की क्षमता और इन पर उपलब्ध विविध सामग्रियों की उपलब्धता ने शाध की पूरी प्रक्रिया को पहले से आसान और रोचक बना दियवा है। शोधार्थियों को इन्टरनेट के उपयोग से कम थकान होती है क्योंकि ऑनलाइ के माध्यम से सर्वेक्षण आसान हा जाता है।

इन्टरनेट तकनीक ने छात्रों के लिए दुकानों तक जाए बिना ऑनलाइन खरीदारी करना संभव बना दिया है वे दुनिया के किसी भी कोने से खरीदारी कर सकते है। छात्र शैक्षिक सामग्री भी तुरन्त ऑनलाइन ऑर्डर कर सकते है, जो तकनीक के बिना कहीं अधिक थकान नहीं हाती है। विद्यार्थी ठलरनश्े और कक्षाओं के माध्यम से वीडियों टयूरोरियल और लाइव कक्षाओं का लाभ उठाकर कही भी और कभी भी पढ़ाई कर सकते है। जिससे सीखने की गति भी बढ़ती है।

- असीमित जानकारी और अनुसंधान – इन्टरनेट पर उपलब्ध डिजिटल पुस्तकालयों शैक्षिक वेबसाइटों और शोध पत्रों के माध्यम से किसी भी विषय पर व्यापक एवं आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- सहयोग और संवाद – छात्र ऑनलाइन ग्रुप स्टडी, प्रोजेक्ट्स और दोस्तों के साथ मिलकर काम करने के लिए ई–मेल, सोशल मीडिया और चेट प्लेटफार्म का उपयोग कर सकते है।
- प्रेरणा और मार्गदर्शन – सफलता की कहानियाँ रोचक गाथाएँ, प्रेरणादायक वीडियों और जिसने विद्यार्थी अपने करियर के प्रति अधिक सजक व उत्साहित हो सकते है।
- रोजगार के अवसर – डेटा, डेटा एंट्री जैसी ऑनलाइन नौकरियों ने छात्रों को पढ़ाई के साथ–साथ अपने कमरे से काम करने और खुद का खर्च चलाने के लिए कुछ पैसे कमाने का विकल्प दिया है।

विद्यार्थियों के जीवन पर इंटरनेट का नकारात्मक प्रभाव –

खैर, अब तक हमने जिन पहलुओं पर विचार किया है, उन्हें प्रौद्योगिकी के सकारात्मक प्रभावों के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन इस क्षेत्र में नकारात्मक प्रभाव भी हैं। इन्टरनेट ने छात्रों के जीवन को तकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। सबसे पहले, इसने कुछ विद्यार्थी को आलसी बना दिया है। कुछ विद्यार्थी शोध करने के बजाय इंटरनेट से जानकारी डाउनलोड करके उसकी नकल कर लेते हैं।

विद्यार्थी यह प्रतिगामी है और विद्यार्थियों के लिए किसी काम का नहीं है। एक बार फिर, अधिकांश विद्यार्थी इस तथ्य से आलसी हो जाते हैं कि वे अपने असाइनमेंट किसी आउटसोर्सिंग फर्म को भेज सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर अपना काम पूरा करवाकर वापस पा सकते हैं। इससे शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया है और शिक्षा अपना मूल अर्थ खो रही है।

विद्यार्थियों के नैतिक पतन में प्रौद्योगिकी की भूमिका है। अश्लील सामग्री, गंभीर अपराध फिल्मों और साहित्य जैसी हानिकारक सामग्रियों तक पहुँच ने विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों को नष्ट कर दिया है। वे अब इन चीजों को बुराई नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा मानते हैं। उनके लिए ऐसी सामग्री पढ़ना और देखना कोई गलत बात नहीं है।

विद्यार्थियों पर इंटरनेट के नकारात्मक प्रभाव बहुआयामी हैं और वे उनके शारीरिक, मानसिक, और शैक्षणिक जीवन को प्रभावित कर सकते हैं। इसके मुख्य प्रभाव निम्नलिखित हैं :

- समय की बर्बादी और लत – इंटरनेट और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से समय की बर्बादी होती है, जिससे पढ़ाई के लिए समय कम मिलता है और लत लग सकती है।
- शैक्षणिक प्रदर्शन में गिरावट – इंटरनेट के अत्यधिक इस्तेमाल से विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटकता है, जिससे उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में गिरावट आ सकती है।
- मानसिक स्वास्थ्य पर असर – साइबरबुलिंग, सोशल मीडिया की लत और गलत जानकारी से विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं – लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से आंखों में तनाव, गर्दन और पीठ दर्द, और मोटापे जैसी शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।
- सामाजिक अलगाव – इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग से विद्यार्थी वास्तविक जीवन में लोगों से मिलना और बात करना कम कर देते हैं।
- गोपनीयता और सुरक्षा – इंटरनेट पर निजी जानकारी साझा करने से गोपनीयता का खतरा और ऑनलाइन स्कैम का सामना करना पड़ सकता है।

इन नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए, इंटरनेट का उपयोग सीमित और रचनात्मक कार्यों के लिए करना चाहिए।

इंटरनेट का सुरक्षित और प्रभावी उपयोग करने के लिए मजबूत पासवर्ड (अक्षरों, अंकों, विशेष चिह्नों का मिश्रण) का उपयोग करें, अनजान लिंक्स पर क्लिक न करें और हमेशा भ्जजचे वेबसाइटों पर ही भरोसा करें। सार्वजनिक वाई–फाई (चनइसपब ॅप.थ्प) पर बैंकिंग से बचें, ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखें, और एंटीवायरस का उपयोग करें। साइबर सुरक्षा के लिए टू–फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2थ्।) अपनाएं और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा न करें।

इंटरनेट का सही उपयोग करने के लिए प्रमुख सुझाव –

- सुरक्षा सबसे पहले (मबनतपजल थ्पतेज) – अपने डिवाइसों को वायरस से बचाने के लिए एंटीवायरस का उपयोग करें और उसे नियमित रूप से अपडेट करें।
- मजबूत पासवर्ड प्रबंधन – हर अकाउंट के लिए अलग और जटिल पासवर्ड बनाएं। एक ही पासवर्ड सब जगह न रखें।
- पब्लिक वाई–फाई से बचें – सार्वजनिक स्थानों (जैसे कैफे, एयरपोर्ट) के वाई–फाई पर बैंकिंग या शॉपिंग न करें। इसके लिए हमेशा टच्छ (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) का उपयोग करें।
- निजी जानकारी गुप्त रखें – सोशल मीडिया या अज्ञात वेबसाइटों पर अपना नाम, पता, जन्मतिथि या पासवर्ड जैसी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।
- संदिग्ध/संवेदनशील लिंक से बचें – फिशिंग (चीपेीपदह) हमलों से बचने के लिए अनजान ईमेल, संदिग्ध संदेशों या ईमेल अटैचमेंट पर क्लिक न करें।
- सत्यापित साइटें – केवल उन्हीं वेबसाइटों का उपयोग करें जिनके एड्रेस बार में ‘भ्जजचै’ (ताले का चिन्ह) हो, जो सुरक्षित कनेक्शन दर्शाती हैं।
- डेटा का बैकअप – अपने महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों और फ़ोटो का नियमित रूप से बैकअप (क्लाउड या हार्ड ड्राइव में) लेते रहें।
- बच्चों के लिए सीमाएं – बच्चों को इंटरनेट का उपयोग करते समय पेरेंटल कंट्रोल (चंतमदजंस ब्वदजतवस) सेट करें और उन्हें ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में शिक्षित करें।
- सोशल मीडिया पर शिष्टाचार – ऑनलाइन बातचीत में सम्मान बनाए रखें। हानिकारक या गलत जानकारी (थंम छमूे) न फैलाएं।
- सीमा तय करें – इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग से बचने के लिए स्क्रीन समय निर्धारित करें। ताकि शारीरिक गतिविधियों का समय कम न रहे।

जिम्मेदार उपयोग (Responsible Usage) :

- सही जानकारी : मिली हुई जानकारी की पुष्टि विश्वसनीय वेबसाइटों से करें।
- साइबर बुलिंग से बचाव : इंटरनेट पर किसी के साथ अभद्र व्यवहार न करें और न ही सहें।
- एंटीवायरस : कंप्यूटर या फोन में एंटीवायरस का उपयोग करें।

माता–पिता और शिक्षकों की भूमिका –

- बच्चों के ऑनलाइन गतिविधियों पर ध्यान रखें।
- उन्हें समय प्रबंधन सिखाएँ।
- अच्छे और उपयोगी प्लेटफॉर्म की जानकारी दें।

निष्कर्ष –

विद्यार्थी जीवन में इंटरनेट का प्रभाव अत्यंत व्यापक है। यह ज्ञान का विशाल भंडार है और शिक्षा को सरल, सुलभ और रोचक बनाता है। इसके माध्यम से विद्यार्थी घर बैठे दुनिया भर की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और नई–नई कौशल सीख सकते हैं।

परंतु इंटरनेट का अत्यधिक और गलत उपयोग हानिकारक भी हो सकता है। यह समय की बर्बादी, मानसिक तनाव और स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि विद्यार्थी इंटरनेट का उपयोग संतुलित और जिम्मेदारीपूर्वक करें। यदि सही दिशा में इसका उपयोग किया जाए, तो इंटरनेट विद्यार्थी जीवन को सफल और उज्ज्वल बना सकता है।

अंत में कहा जा सकता है कि इंटरनेट एक शक्तिशाली साधन है। यह विद्यार्थी के हाथ में है कि वह इसका उपयोग अपने विकास के लिए करे या समय नष्ट करने के लिए। सही मार्गदर्शन और आत्मनियंत्रण के साथ इंटरनेट विद्यार्थी जीवन के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- बोर्ड ऑफ सैकेण्डरी एजुकेशन
- Lucents's Computer
- https://www.scribd.com
- https://www.vedantu.com
- https://thecomputersimpactweebly